NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : Hindi

Chapter : 20

Chapter Name : विप्लव-गायन

Q1 'कण-कण में है व्याप्त वही स्वर ..... कालकूट फणि की चिंतामणि'

(क) 'वही स्वर', 'वह ध्वनि' एवं 'वही तान' आदि वाक्यांश किसके लिए/किस भाव के लिए प्रयुक्त हुए हैं?

(ख) वही स्वर, वह ध्वनि एवं वही तान से संबंधित भाव का 'रुद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है/निकली मेरे अंतरतर से' - पंक्तियों से क्या कोई संबंध बनता है?

Answer.

(क) 'वही स्वर', 'वह ध्वनि' एवं 'वही तान' आदि वाक्यांश का प्रयोग लोगों में क्रांति की भावना को जगाने के लिए किया गया हैं |

(ख) वही स्वर, वह ध्वनि एवं वही तान से संबंधित भाव का 'रुद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है/निकली मेरे अंतरतर से' में आपसी संबंध बनता है क्योंकि यह गीत एक क्रांति के रूप में कवि के मुख से निकल रहा है जिससे वह जनता को जागृत करना चाहता है |

Page : 142 , Block Name : कविता से

Q2. नीचे दी गई पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

'सावधान ! मेरी वीणा में ..... दोनों मेरी ऐंठी हैं।'

Answer. इस पंक्ति में कवि लोगों को परिवर्तन के प्रति सावधान करते हुए कहते हैं कि अब तो मेरी वीणा का स्वर भी मधुरता की अपेक्षा क्रांति की आग ही उगलेगा। वीणा से कठोर स्वर निकलने के कारण मेरी उँगलियों की मिजराबें टूटकर गिर गईं, जिससे उँगलियाँ ऐंठकर घायल हो जाती है ।लेकिन इस गीत को गाते हुए मैं अपनी किसी परेशानी की तरफ़ ध्यान नहीं दूँगा |

Page : 142 , Block Name : कविता से

Q1 स्वाधीनता संग्राम के दिनों में अनेक कवियों ने स्वाधीनता को मुखर करनेवाली ओजपूर्ण कविताएँ लिखीं | माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की ऐसी कविताओं की चार-चार पंक्तियाँ इकट्ठा कीजिए जिसमें स्वाधीनता के भाव ओज से मुखर हुए हैं |

Answer.

- माखनलाल चतुर्वेदी -

वेदों से बलिदानों तक जो होड़ लगी

प्रथम प्रभात किरण से हिम में जोत जागी

उतर पड़ी गंगा खेतों खलिहानों तक

मानो आँसू आये बलि-महमानों तक

- मैथिलीशरण गुप्त -

जो भरा नहीं है भावों से

जिसमें बहती रसधार नहीं।

वह हृदय नहीं है पत्थर है,

जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -

तोड़ो, तोड़ो, तोड़ो कारा

पत्थर, की निकलो फिर,

गंगा-जल-धारा!

गृह-गृह की पार्वती!

पुनः सत्य-सुन्दर-शिव को सँवारती

उर-उर की बनो आरती!–

भ्रान्तों की निश्चल ध्रुवतारा!–

तोड़ो, तोड़ो, तोड़ो कारा!

aglasem.com

Page : 142-143, Block Name : कविता से आगे

Q1 कविता से मूलभाव को ध्यान में रखते हुए बताइए कि इसका शीर्षक 'विप्लव -गायन' क्यों रखा गया होगा?

Answer. 'विप्लव -गायन' का अर्थ है - क्रांति का आह्वान करना | कवि इस कविता के माध्यम से परिवर्तन की हिलोर लाना चाहता हैं | विकास और गतिशीलता को अवरुद्ध करनेवाली प्रवृत्ति से संघर्ष करके कवि नया सृजन करना चाहता है |

Page : 143, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1. कविता में दो शब्दों के मध्य (-) का प्रयोग किया गया है, जैसे - 'जिससे उथल-पुथल मच जाए' एवं 'कण-कण में है व्याप्त वही स्वर'। इन पंक्तियों को पढ़िए और अनुमान लगाइए कि कवि ऐसा प्रयोग क्यों करते हैं?

Answer. कवि कविता में दो शब्दों के मध्य (-) का प्रयोग कर शब्दों में चमत्कार और लय बनाये रखने के लिए करते हैं। इस कारण कविता भी ओजपूर्ण लगती है।

Page : 142 , Block Name : प्रश्न अभ्यस भाषा की बात

Q2. कविता में (,-।) आदि जैसे विराम चिह्नों का उपयोग रुकने, आगे-बढ़ने अथवा किसी खास भाव को अभिव्यक्त करने के लिए किया जाता है। कविता पढ़ने में इन विराम चिह्नों का प्रभावी प्रयोग करते हुए काव्य पाठ कीजिए। गद्य में आमतौर पर है शब्द का प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है, जैसे - देशराज जाता है। अब कविता की निम्न पंक्तियों को देखिए -

'कण-कण में है व्याप्त.....वही तान गाती रहती है,'

इन पंक्तियों में है शब्द का प्रयोग अलग-अलग जगहों पर किया गया है।

कविता में अगर आपको ऐसे अन्य प्रयोग मिलें तो उन्हें छाँटकर लिखिए।

Answer.

- कंठ रुका है महानाश का, मारक गीत रुद्ध होता है
- टूटीं हैं मिजराबें,अंगुलियाँ दोनोंं मेरी ऐंठी हैं |

Page : 142 , Block Name : भाषा की बात

Q3. निम्न पंक्तियों को ध्यान से देखिए -

'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ.....एक हिलोर उधर से आए,'

इन पंक्तियों के अंत में आए, जाए जैसे तुक मिलानेवाले शब्दों का प्रयोग किया गया है। इसे तुकबंदी या अंत्यानुप्रास कहते हैं। कविता से तुकबंदी के अन्य शब्दों को छाँटकर लिखिए। छांटे गए शब्दों से अपनी कविता बनाने की कोशिश कीजिए |

Answer. तुकबंदी वाले शब्द -

बैठी है - ऐंठी हैं,

इधर – उधर,

रुद्ध – युद्ध,

फणि - मणि

Page : 143 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com